'मानवीय सम्बन्धों में समरसता' विषय पर प्रशासनिक अधिकारियों के लिए जम्मु सेवाकेन्द्र द्वारा आयोजित सेमिनार का संक्षिप्त समाचार

जम्मु - 21 जून, 2009: ''मानवीय सम्बन्धों में समरसता'' विषय पर प्रशासनिक अधिकारियों के लिए जम्मु सेवाकेन्द्र द्वारा एक सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें 100 से अधिक अधिकारी भाई-बहनों ने लाभ लिया। आबू पर्वत से पधारे प्रशासक सेवा प्रभाग के मुख्यालय संयोजक **बी.के. हरीश भाई** ने सेमिनार में स्लाइड प्रेजन्टेशन द्वारा विषय को स्पष्ट करते हुए कहा कि, मानवीय सम्बन्धों में समरसता प्रशासनिक उत्तरदायित्वों के निर्वहन के लिए अति आवश्यक है। क्योंकि सरकार की लोक कल्याणकारी नीतियों को सरकार और जनता के बीच लागू करने में प्रशासक महत्वपूर्ण कडी होते हैं। वास्तव में जब मानवीय सम्बन्धों में समरसता होती है, तो जनता, सरकार और प्रशासन के बीच संवाद स्थापित होता है, अन्यथा की स्थिति में विवाद तथा प्रशासनिक जटिलताएं उत्पन्न होती है। इसलिए प्रशासन के क्षेत्र में सफलता, गतिशीलता और पारदर्शिता के लिए मानवीय सम्बन्धों को बेहतर और संवेदनशील बनाना अत्यन्त महत्वपूर्ण है। बढ़ती हुई जनआकांक्षाओं और प्रशासनिक दायित्व बोध के बीच सन्तुलन स्थापित करने में अध्यात्म की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण है क्योंकि आध्यात्मिक ज्ञान से मन, बुद्धि और कर्म के बीच सन्तुलन स्थापित होने से बेहतर संवाद तथा मानवीय सम्बन्धों का फलत विस्तृत होता है। यही प्रशासनिक कुशलता की कसौटी है। उन्होंने विषय-वस्तु को प्रोजेक्टर के माध्यम से प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करते हुए कुशल प्रशासनिक प्रबन्धन के अनेक गुर बतायें।

प्रभावशाली वक्ता, लेखक और प्रशासक सेवा प्रभाग के राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य **बी.के. सुरेन्द्रन,** बेंगलौर ने कहा कि अहंकार मानवीय सम्बन्धों में समरसता स्थापित करने में सबसे बडा बाधक तत्व है। आध्यात्मिक शिक्षा और राजयोग के द्वारा अहंकार का शमन होने से सम्बन्धों में समरसता स्वाभाविक रुप से आ जाती है। आत्म शक्ति का बोध होता है तथा निर्णय शक्ति भी श्रेष्ठ बनती है। यही सफल प्रशासन का मूलमन्त्र है।

संस्था की गतिविधियों से श्रोताओं का परिचय कराते हुए **बी.के. हरीन्द्र भाई,** वाराणसी ने कहा कि संस्था द्वारा समाज के प्रत्येक क्षेत्र से जुड़े हुए लोगों के सोच और कार्य संस्कृति में परिवर्तन लाने के लिए 18 सेवा प्रभाग बनाये गये हैं। संस्था ने मानवता के सेवा की अद्वितीय मिसाल कायम किया है और इसका समाज पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। इसलिए श्रेष्ठ सामाजिक और मानवीय परिवर्तन के आशा और आस्था के रूप में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय लोगों की चेतना का केन्द्र बनता जा रहा है। संस्था का इतिहास अनेक गौरवशाली उपलब्धियों से भरा पड़ा है। ब्रह्माकुमारीज़ नाम सकारात्मक परिवर्तन और अध्यात्म के पर्याय के रूप में लोगों के मानस पटल पर अंकित हो गया है।

जम्मु सेवाकेन्द्र की मुख्य प्रभारी **बी.के. सुदर्शन बहन** ने आगन्तुक अतिथियों का हार्दिक स्वागत करते हुए उनका ध्यान विषय-वस्तु की ओर खिंचवाते हुए इसको वर्तमान समय में प्रशासकों के लिए महत्वपूर्ण बताया। श्रोताओं को राजयोग की प्रायोगिक अनुभूति कराते हुए **बी.के. सुदर्शन बहन** ने प्रशासकों पर आशीर्वचनों से अभिसिंचित किया। **बी.के. निर्मल बहन,** राजयोग शिक्षिका, जम्मु ने मेहमानों का शब्दों द्वारा स्वागत किया। **कुमारी कोमल** तथा **कुमारी निधि** ने सुन्दर नृत्य द्वारा सभी मेहमानों का स्वागत किया।